सेवा समाचार दिनांक : १५ अकतूबर, २०१३

अहमदाबाद-साबरमती सेन्ट्रल जेल में अन्नामलाई विश्व विधालय और शिक्षा प्रभाग द्वारा

तृत्तिय पदवीदान समारोह का शानदार आयोजन

गुजरात की ११ जेलो के बंदीवान भाई-बहनो को पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा और डिप्लोमा में 'मूल्य शिक्षा एवम् आध्यात्मिकता' कोर्ष की डीग्री सर्टीफीकेट एवम् मेडल एनायत किये गये

सुख शांति भवन :- अहमदाबाद की ऐतिहासिक साबरमती सेन्ट्रल जेल में ब्रह्माकुमारी संस्था और अन्नामलाई युनिवर्सीटी के द्वारा पोस्ट ग्रेज्युएशन डीप्लोमा (P. G. Diploma) एवम् डिप्लोमा (Diploma) मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता के विविध कोर्ष के लिए तृत्तिय पदवीदान समारोह आयोजीत किया गया। ''मूल्य शिक्षा एवम् आध्यात्मिकता'' के इस कोर्ष की परीक्षा में गुजरात राज्य की विभिन्न 11 जेलो में से 51बंदीवान विद्यार्थी भाई-बहनें उत्तीर्ण हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी अन्नामलाई युनिवर्सीटी के डायरेकटर, डी.डी.ई. अन्नामलाई विश्व विधालय श्री डॉ. नागेश्वर राव, ब्रह्माकुमारीझ-गुजरात झोन के डायरेक्टर राजयोगिनी सरला दीदी जी, शिक्षा प्रभाग के वाईस चेयरपर्सन भ्राता मृत्युजंयभाई, चेयरपर्सन गुजरात के जेल विभाग के एडीशनल डी. जी. ऑफ पोलीस एवम् आई.जी. ऑफ प्रिझन श्री पी.सी.ठाकुर (I.P.S) के वरद् हस्तो से यह सभी छात्रों को डीग्री सर्टीफीकेट और मेडल एनायत करने का एक शानदार समारोह मनाया गया। साथ में भ्राता आई.एम.देसाई (I.P.S) DIG गुजरात जेल विभाग, भ्राता आर.जे. पारधी (I.P.S) अधिक्षक साबरमती जेल, शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक भ्राता हरीश शुकलाजी, दूरस्थ शिक्षा विभग के डायरेकटर भ्राता पांडेमणीजी ने उपस्थित रह दिप जगा कर विश्व को नई राह दिखाने की रोशनी जगाई।

जेलो के इतिहास में और युनिवर्सीटी के इतिहास में संभवतः यह बंदीवान भाई-बहनों को जेल के प्रांगण में विभिन्न डिग्री के लिए युनिफोर्म के साथ डीग्री सर्टीफिकेट देने का यह तृत्तिय पदवीदान समारोह एक इतिहास बन गया। बंदीवान भाईयों के जीवन में जेल में रह कर नियमित स्वंयम् अभ्यास करके, इस अभ्यासक्रम के कलास करके, जेल में रह कर जेल के अंदर ही परीक्षा देकर और जेल में ही पदवी प्राप्त करने का यह बंदीवान भाई-बहनों के जीवन में आज का प्रसंग अवर्णनीय रुप से यादगार बना रहा। जिनमें P. G. Diploma पाठयक्रम में 19, एवम् डिप्लोमा पाठयक्रम में 32 विधार्थीओंने ''मूल्य शिक्षा एवम् आध्यात्मिकता'' के पाठयक्रम में पदवी प्राप्त की। समारोह के प्रारंभ में जेल के मुख्य मार्ग पर जेल के बंदीबानो के बेन्डग्रुप द्वारा बेन्ड के पोषाक में सुसज्ज बेन्ड ने संगीत की सुरावलीओं के साथ बातावरण को उत्साहीत करके बहुत ही भव्य मार्च पास्ट से हुई, जिसमें सर्व प्रथम अन्नामलाई विश्व विधालय और ब्रह्माकुमारीज के पदाधिकारीयों, जेल विभाग के उच्च अधिकारीयों और महानुभावों, गुजरात राज्य की 11 जेलो के अधिक्षको के साथ-साथ जेलर और शिक्षा के कार्यवाही संभालने वाले कर्मचारीगण साथ ही उत्तीर्ण हुए 51 बंदीवान विद्यार्थी भाई-बहनें पदवीदान समारोह के युनिफोर्म (ऑनर और रोब) में सुसज्ज थे। यह दृश्य सबके लिये मनोहर और आकर्षक बना। प्रार्थना सभा के हॉल में जेल के अन्य २०० से अधिक केदी भाई भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अन्नामलाई विश्व विधालय डी.डी.ई. विभाग के डायरेकटर, डॉ. नागेश्वर राव ने अपने अध्ययक्षीय प्रवचन में कहा कि- ब्रह्माकुमारी संस्था यह मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता का कोर्ष करावाकर व्यक्ति को मूल्यों का जीवन महत्व समजा कर इन मूल्यों को व्यवहारीक जीवन में अपनाने का अनुरोध किया। भ्राता आई.एम.देसाई (I.P.S) ने स्वागत प्रवचन कीया। भ्राता पी.सी.ठाकुर (I.P.S) ने कहा कि-''यह जेल जेल नही किन्तु अब यहाँ एक परीवार का माहोल बन गया है। यहाँ परीवार की तरह हर एक की परवरीश की जाती है, जिसमें शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दीया जाता है। दूरस्थ शिक्षा विभग के डायरेकटर भ्राता पांडेमणीजी ने शुभेच्छा देते हुये कहा कि-''यहाँ आये हुए व्यक्ति के लिए जेल एक गाँव बन गया है, क्योंकी यहाँ शिक्षा से जुडी प्रवृत्तियाँ इन्हें व्यस्त रख तनाव और दबाव को दूर कर सकती है, जिसका आज यह अच्छा परीणाम के रुप में प्रेकटीकल में दिखाई देता है। यहाँ स्थिर मन से पढाई पठ कर स्वंयम् का परीवर्तन करने के कदम आगे बढाये है''। शिक्षा प्रभाग के वाईस चेयरपर्सन भ्राता मृत्युजंयभाई नें यह पाठयक्रम का महत्व समझाते हुए कहा की-''यह कोर्ष हमें आंतरदर्शन कर आने वाले समय के साथ चलने के लिये तैयार करता है''। शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक भ्राता हरीश शुकलाजी ने उत्तीर्ण हुये सभी विद्यार्थीओं की सराहना करते हुये उन्हें जीवन में मूल्यों और नैतिकता को अपनाने के शपथ दिलाया। आदरणीय सरला दीदीजी ने जेल के सभी पदाधिकारीयों और सभी विद्यार्थीओं को अपने हृदय की शुभकामनायें देते कहा कि-'आज का यह दिन भारत वर्ष के इतिहास में सुवर्ण अक्षरों से लिखा जायेगा। कारागृह के वातावरण में जहाँ तन का बंधन होते हुये अपने मन को सकारात्कता की दिशा में इस पढाई के द्वारा ले जाने का यह एक अवसर परमात्माने दिया है। उन्होंने विधार्थीयों को यह मूल्यों की शिक्षा को जीवन में अपना कर व्यक्तिगत और सामाजीक विकास करने राजयोग का प्रयोग करने के लिए बताया। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। ईलेकट्रोनिक मीडीया ने नेशनल और स्थानीय चेनलों में और प्रिन्ट मीडीया नें यह खबर को अच्छा कवरेज दिया।